2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
अर्थशास्त्र	1 4 0	हिन्दी

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

320 ...

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

0	7	3	2	5	4	1	4

शून्य सात तीन दो पाँच चार एक चार

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में [2] शब्दों में [दो]

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक [13]

ग :– परीक्षा का दिनांक [16 | 06 | 2020]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा — केन्द्र क्र.

H.S.S.C. 1002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
16/6/20 Carmel Sharma	(हस्ताक्षर)

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्रापट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : परीक्षक के ...

R. S. SONI 331262

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

नोट :- "हायर सेकण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के ... प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्व... 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के ... एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची ...

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1

(i) - रैगनर फ्रिश

(ii) - (a) और (b) दोनों

(iii) - बाजार प्रवृत्ति

(iv) - मूल्य ह्रास

(v) - घटेगा ।

प्रश्न क्रमांक - 2

(i) - प्राथमिक

(ii) - अदृश्य

(iii) - प्रत्यक्ष

(iv) - वित्त मंत्री

(v) - उच्चतम सीमा - निम्नतम सीमा

2

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3

(i) सत्य।

(ii) सत्य।

(iii) सत्य।

(iv) असत्य।

(v) सत्य।

BSE

प्रश्न क्रमांक - 4

(i) - माँग और पूर्ति

(ii) - हार्टले विदर्स

(iii) - वस्तुओं का आयात व निर्यात

(iv) - अप्रत्यक्ष कर

(v) - आय की अपेक्षा व्यय अधिक।

[redacted] ०४ क ... कु. अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5

(i) रोजगार, आय और मुद्रा का सामान्य सिद्धान्त।

(ii) ऑटोमेटिक ट्रेलर मशीन

(iii) बजट एक ऐसा प्रपत्र है जिसमें सार्वजनिक आय एवं व्यय की प्रस्तावित प्रारम्भिक योजना होती है।

B S E [redacted]

(iv) 20 वर्ग की निम्नतम सीमा व 30 वर्ग की उच्चतम सीमा है।

(v) व्यापार के लिए उपयोगिता।

प्रश्न क्रमांक - 6

अथवा

जिन वस्तुओं का एक-दूसरे के स्थान [redacted] प्रयोग किया जा सकता है उन्हें [redacted]स्थापन वस्तुएँ कहा जाता है जैसे- [redacted]य व कॉफी।

योग

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 7

अथवा

भारत में राष्ट्रीय आय की गणना

→ केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (CSO) द्वारा जाती है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 8

अथवा

उपभोग फलन कुल आय तथा कुल उपभोग व्यय के मध्य संबंध को बताता है।

दूसरे शब्दों में,

उपभोग फलन वह तालिका है जो आय के विभिन्न स्तरों पर उपभोग की विभिन्न मात्राओं प्रदर्शित करती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 9

प्रो॰ हार्टले विदर्स के अनुसार

" [illegible] मुद्रा वह है जो मुद्रा का [illegible] करती है।"

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 10

निम्नतम सीमा - 100

उच्चतम सीमा - 200

वि[illegible] = उच्चतम सीमा - निम्नतम सीमा

= 200 - 100

= 100 Ans.

इसका विस्तार 100 है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

स्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 11 (अथवा)

पूर्ति वह मात्रा हैं जो बाजार मे निश्चित समय मे कीमत विशेष बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध होती है।

पूर्ति को प्रभावित करने वाले तत्व –

(1) वस्तु की कीमत :- किसी वस्तु की कीमत पूर्ति को प्रभावित करने वाला प्रमुख तत्व हैं। जब वस्तु की कीमत अधिक होगी तो पूर्ति भी उत्पादक के द्वारा अधिक की जायेगी व वस्तु कीमत कम होने पर पूर्ति भी कम की जायेगी।

अन्य वस्तुओं की कीमत :- अन्य वस्तुओं की कीमत भी वस्तु ति को प्रभावित करती हैं। जैसे लोन और टैरीकॉट के वस्त्रों की मतों मे वृद्धि हो जाये और सूती वस्त्र की कीमत अपरिवर्तित रहे तो सूती वस्त्र की पूर्ति मे कमी की जायेगी।

(3) उत्पादन साधन की कीमत :- यदि उत्पादन में जो साधनों को प्रयुक्त किया जाता हैं उनकी कीमत अधिक

B
S
E

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

व उत्पादन कम होता है तो उत्पादक वस्तु की पूर्ति कम करेगा इसके विपरीत दशा में पूर्ति की मात्रा को उत्पादक बढ़ायेगा।

प्रश्न क्रमांक - 12

अथवा

दी दिए गये मूल्य पर किसी वस्तु वह मात्रा जो निश्चित समय में उसके पर मूल्य द्वारा क्रय की जाती है उसे माँग कहते हैं।

B
S
E

माँग को प्रभावित करने वाले तत्व -

(1) वस्तु कीमत :- किसी वस्तु की कीमत माँग प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक है। जब वस्तु की कीमत अधिक होती है तो माँग कम व कीमत कम होने पर माँग अधिक होती है।

(2) उपभोक्ता की आय :- अन्य बाते यथास्थिर रहने पर यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो फलस्वरूप में माँग में भी वृद्धि होती है। इसके विपरीत उपभोक्ता

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

क्र.

की आय में कमी होने पर वस्तुओं की माँग में भी कमी होती है।

(3) जनसंख्या :- ~~जि~~ किसी ~~का~~ देश की जनसंख्या भी ~~प्रकृति~~ उस देश की माँग को प्रभावित करती है। यदि जनसंख्या में वृद्धि होती है तो माँग में भी वृद्धि होती है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 13

अथवा

10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20,

चतुर्थक विचलन = $\frac{Q_3 - Q_1}{2}$

$Q_1 = \frac{N+1}{4} =$ ~~$\frac{N+1}{4}$~~ $=$

$Q_3 = \frac{3(N+1)}{4}$

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

पदो की संख्या (N) = 11

$Q_1 = \frac{N+1}{4} = \frac{11+1}{4}$ वाँ पद

$= \frac{12}{4} = 3$ वाँ पद

$Q_3 = \frac{3(N+1)}{4}$

$= \frac{3(11+1)}{4}$

$= \frac{3(12)}{4} = \frac{36}{4} = 9$ वाँ पद

3 पद = 12

9 वाँ पद = 18

$Q_3 = 18$

$Q_1 = 12$

चतुर्थक विचलन सूत्रानुसार = $\frac{18-12}{2}$

$= \frac{6}{2}$

चतुर्थक विचलन 3 है Ans

BSE

प्रश्न क्रमांक - 14

अथवा

पाश्चे का निर्देशांक का सूत्र = $\frac{P_1 q_1}{P_0 q_1} \times 100$

[illegible] = चालू वर्ष की कीमत

[illegible] = आधार वर्ष की कीमत

[illegible] = चालू वर्ष की मात्रा

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 15

व्यष्टि अर्थशास्त्र आर्थिक विश्लेषण की उस शाखा को कहते है जिसमें विशिष्ट, वैयक्तिक इकाइयों तथा अर्थव्यवस्था के छोटे भागों का अध्ययन किया जाता है।

व्यष्टि अर्थशास्त्र की विशेषताएँ अग्रलिखित है —

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

विशेषताए —

① वैयक्तिक इकाइयों का अध्ययन :- व्यष्टि अर्थशास्त्र में वैयक्तिक इकाइयों का अध्ययन किया जाता है। इसमें समूहों व सामूहिक क्रियाओं का अध्ययन नहीं किया जाता है।

② छोटे भागों का अध्ययन :- व्यष्टि अर्थशास्त्र में एक उद्योग, एक बाजार आदि का अध्ययन किया जाता है चूंकि एक उद्योग फर्मों का समूह होता है किन्तु यह अर्थव्यवस्था का छोटा भाग कहलाता है। इसीलिए व्यष्टि अर्थशास्त्र में इसका अध्ययन किया जाता है।

③ कीमत सिद्धान्त का विश्लेषण :- व्यष्टि अर्थशास्त्र कीमत सिद्धान्त का विश्लेषण करता है तथा विभिन्न छोटी व विशिष्ट इकाइयों को आर्थिक क्षेत्र में निर्णय लेने में मदद करती है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(५) पूर्ण रोजगार मान्यता :- व्यष्टि अर्थशास्त्र में पूर्ण रोजगार की मान्यता को लेकर चला जाता है।

उपर्युक्त विशेषताओं ...स्पष्ट है व्यष्टि अर्थशास्त्र में कितने ... निहित हैं।

प्रश्न क्रमांक - 16

अथवा

पूर्ण प्रतियोगी बाजार एवं एकाधिकारी बाजार में अन्तर —

पूर्ण प्रतियोगी बाजार	एकाधिकारी बाजार
(1) पूर्ण प्रतियोगी बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता होती है।	(1) एकाधिकारी बाजार में प्रतियोगिता का अभाव पाया जाता है।
(2) पूर्ण प्रतियोगी बाजार में विक्रेताओं की संख्या अधिक होती है।	(2) एकाधिकारी बाजार में केवल एक विक्रेता होता है।

के अंक कुल अंक
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

③ पूर्ण प्रतियोगी बाजार मे फर्म मूल्य प्राप्त कर्ता होती हैं।	③ एकाधिकारी प्रतियोगिता बाजार मे फर्म मूल्य निर्धारित करती है।
④ इसमें विक्रेता के पास वस्तु के उत्पादन कुलपूर्ति का एक …ोड़ा भाग नियंत्रण रहता है।	④ इसमें विक्रेता को पास पूर्ति पर पूर्ण नियन्त्रण होता है।
⑤ इसमें समरूप निश्चित कीमत क्रेताओं द्वारा से ली जाती है।	⑤ इसमें मूल्य विभेद पाया जाता है।
⑥ इसमें फर्मो का स्वतंत्र प्रवेश एवं बहिर्गमन होता है।	⑥ इसमें फर्मो का स्वतंत्र प्रवेश एवं बहिर्गमन नहीं होता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

B S E

प्रश्न क्रमांक - 17

अथवा

धातु मुद्रा और पत्र मुद्रा में अन्तर —

धातु मुद्रा	पत्र मुद्रा
(1) धातु मुद्रा महँगी प्रणाली ... है।	(1) पत्र मुद्रा सस्ती प्रणाली होती है।
(2) ... मुद्रा देश की ...र द्वारा जारी की जाती है।	(2) पत्र मुद्रा देश की केन्द्रीय बैंक द्वारा निर्मित की जाती हैं।
(3) धातु मुद्रा अधिक स्थान घेरती है।	(3) पत्र मुद्रा कम स्थान घेरती है।
(4) पत्र म धातु मुद्रा को लाने व ले जाने में असुविधा होती है क्योंकि यह भारी होती है।	(4) पत्र मुद्रा हल्की होती है तथा स्थानान्तरण में सुविधा होती हैं।
(5) धातु मुद्रा के चलन का क्षेत्र व्यापक होता है।	(5) पत्र मुद्रा के चलन का क्षेत्र सीमित होता हैं।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 18

अथवा

भुगतान सन्तुलन में देश के विभिन्न देशों के साथ समस्त अन्तार्राष्ट्रीय वित्तीय लेन देन शामिल होता है।

भुगतान सन्तुलन की विशेषताएँ –

(1) सदैव सन्तुलित

(2) दृश्य एवं अदृश्य मदों का सम्मिश्रण

(3) विदेशी व्यापार

(4) अर्थव्यवस्था में प्रयोग

(1) सदैव सन्तुलित :- भुगतान सन्तुलन की एक प्रमुख विशेषता है कि यह सन्तुलित रहता है। यदि भुगतान सन्तुलन प्रतिकूल होता है तो यह अर्थव्यवस्था के लिए बुरा होता है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

② दृश्य एवं अदृश्य मदों का सम्मिश्रण :- भुगतान सन्तुलन में दृश्य एवं अदृश्य मदों को सम्मिलित किया जाता है। दृश्य मदों से आशय उन मदों से होता है जिनका लेखा-जोखा बन्दरगाह पर होता है। जिन मदों का लेखा-जोखा बन्दरगाह पर नहीं होता है उन्हें अदृश्य मदें कहा जाता है।

B
S
E

③ विदेशी व्यापार :- भुगतान सन्तुलन की एक विशेषता यह है इससे विदेशी व्यापार के आयात-निर्यात का आदि संक्षिप्त विवरण प्राप्त होता है।

अर्थव्यवस्था में प्रयोग :- विदेशी व्यापार देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। ~~तथ~~ भुगतान सन्तुलन मे विदेशी व्यापार की महत्वपूर्ण मदो को शामिल किया है जिनका प्रयोग अर्थव्यवस्था में किया जाता है।

~~इसमें~~ व्यापार सन्तुलन भी भुगतान सन्तुलन का ही एक भाग होता है।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 19

अथवा

कर के प्रकार -

(1) प्रत्यक्ष कर -
(2) अप्रत्यक्ष कर
(3) प्रगतिशील कर
(4) अनुपाती कर
(5) प्रतिगामी कर
(6) मात्रानुसार कर
(7) मूल्यानुसार कर

(1) प्रत्यक्ष कर :- जिस व्यक्ति य जिस कर में कराघात एवं करापात दोनों एक ही व्यक्ति पर पड़ते हैं तो उसे प्रत्यक्ष कर कहते हैं।

(2) अप्रत्यक्ष कर :- जिस कर में प्रत्यक्ष क में कराघात एवं करापात दोनों अलग - अलग व्यक्तियों पर पड़ते हैं तो उसे अप्रत्यक्ष कर कहते हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

कराघात :- वह व्यक्ति जिस पर करारोपण होता है और वही व्यक्ति कर का भुगतान करता हो।

करापात :- वह व्यक्ति जिस कर को अन्य व्यक्ति परिवर्तित करने पर जो व्यक्ति अन्तिम रूप से कर भुगतान करता है।

(3) प्रगतिशिल कर :- आय मे वृद्धि के परिणामस्वरूप जब कर की दर में भी वृद्धि होती है तो उसे प्रगतिशिल कर कहते हैं।

(4) अनुपाती कर :- आय के बढ़ने या कम होने पर भी कर की दर समान होती है तो उसे अनुपाती कर कहते हैं।

(5) प्रतिगामी कर :- यह कर प्रगतिशील कर के विपरीत होता है। आय में वृद्धि पर कर की दर कम तथा आय मे कमी होने पर कर की दर मे वृद्धि होती है तो उसे प्रतिगामी कर कहते हैं। यह कर न्याय के विरुद्ध है।

(6) मात्रानुसार कर :- जो कर वस्तु की मात्रा, संख्या, भार आदि पर लगाये जाते हैं मात्रानुसार कर कहलाते हैं।

कर :- जिन वस्तुओं के मूल्य पर कर लगाये जाते हैं ...ल्यानुसार कर कहते हैं।

प्रश्न क्रमांक - 20

अथवा

माध्य विचलन एवं प्रमाप विचलन में अन्तर

माध्य विचलन	प्रमाप विचलन
(1) माध्य विचलन की गणना किसी भी सांख्यिकीय माध्य (माध्य, मध्यका, बहुलक) से की जाती जा सकती है।	(1) प्रमाप विचलन की गणना केवल ~~समान्त~~ समानान्तर समातर माध्य से की जा सकती है।
(2) माध्य विचलन में बीजगणितीय चिन्हों को	(2) प्रमाप विचलन में बीजगणितीय चिन्हों

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

ध्यान में नहीं रखा जाता है।	को पर ध्यान दिया जाता है तथा इसका हल वर्ग करके किया जाता है।
(3) माध्य विचलन की की गणितीय विशेषताएँ कम होती हैं।	(3) प्रमाप विचलन में गणितीय विशेषताएँ अधिक होती हैं।
(4) मा... विचलन को आदर्श माप नहीं कहा जा सकता है।	(4) प्रमाप विचलन अपकिरण की एक आदर्श माप है।

प्रश्न क्रमांक - 21

निर्देशांक एक ऐसी संख्यात्मक माप हैं जिसमें समय, स्थान या अन्य विशेषताओं के आधार पर चर मूल्य या सम्बन्धित चर मूल्यों के समूह में होने परिवर्तन को मापा जाता है।

निर्देशांक संरचना में आने वाली कठिनाइयाँ निम्नलिखित है —

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA P ... MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SEC ... RD OF SECONDARY EDUCATION MA

प्रश्न क्र.

(1) आधार वर्ष के चुनाव की समस्या :- निर्देशांक की संरचना में सबसे बड़ी समस्या आधार वर्ष का चुनाव करना है क्योंकि भी वर्ष साधारण वर्ष नहीं होता है। उस वर्षों में कुछ-कुछ असमान्य घटना घटित होती है। यह समस्या बार-बार उत्पन्न होती है।

B
S
E

(2) प्रतिनिधि वस्तुओं की चुनाव की समस्या :- निर्देशांक की संरचना करते समय प्रतिनिधि वस्तुओं के चुनाव की समस्या उत्पन्न होती है क्योंकि आधार वर्ष और चालू वर्ष के समय वस्तुओं की किस्म में परिवर्तन होती है तथा व्यक्तियों रूचियों व आदतों आदि में भी परिवर्तन होता है।

(3) वस्तुओं की कीमतों की चुनाव की समस्या :- निर्देशांक की संरचना में जिन वस्तुओं को चुना जाता है तो उनकी कीमत अर्थात फुटकर कीमतें, सरकार द्वारा नियंत्रित कीमतें या थोक कीमतों का चुनाव भी एक कठिनाई होती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
न क्र.

(4) औसत निकालने की समस्या :- निर्देशांकों की संरचना मे किस रीति द्वारा औसत निकाला जाये यह भी एक महत्व कठिनाई होती है। क्योंकि निर्देशांकों मे औसत निकालने की विभिन्न विधियां व रीतियां प्रचलित होती हैं।

प्रश्न क्रमांक - 22 (अथवा)

मांग के नियम अपवाद से आशय उन परिस्थितियों से होता है जहां पर मांग नियम लागू नहीं होता है।

मांग के नियम के अपवाद —

(1) गिफिन का विरोधाभास
(2) भविष्य मूल्य वृद्धि की आशा
(3) प्रतिष्ठासूचक वस्तुएं
(4) अज्ञानता के कारण

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

(1) गिफिन का विरोधाभास :- गिफिन महोदय ने बताया है कि माँग का नियम निम्न कोटि की वस्तुओं के ~~उपभोग~~ सम्बन्ध में लागू नहीं होता है। निम्न कोटि की वस्तुओं के क्रय में उपभोक्ता की आय का एक बड़ा हिस्सा व्यय होता है। उदाहरणस्वरूप एक व्यक्ति ~~बाजरा~~ का उपभोग करता है यदि ~~वह~~ उसकी कीमत बाजरा होने पर वह उसी ~~कीमत~~ की अधिक मात्रा उपभोग न करके चने का उपभोग करने लगेगा क्योंकि ~~बाजरा~~ चना बाजरा की तुलना में उत्तम कोटि का अनाज है।

(2) भविष्य में मूल्य वृद्धि की आशा :- भविष्य में किसी वस्तु की मूल्य वृद्धि की आशा होने पर बढ़ी हुई कीमत पर भी उस वस्तु की माँग अधिक होती है। इसीलिए इसमें माँग का नियम लागू नहीं होता है।

(3) प्रतिष्ठासूचक वस्तुएँ :- प्रतिष्ठासूचक वस्तुओं की कीमत कम होने इनकी माँग नहीं बढ़ती है क्योंकि कम कीमत होने पर वह प्रतिष्ठासूचक नहीं रह जाती है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
Economics	1	4	0	Hindi	16 06 2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

7	3	2	5	4	1	4

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा
केन्द्र क्रमांक
731002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
25
16/6/20
Govind Sharma

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक

B
S
E

(ध) अज्ञानता के कारण :- जब वस्तु की कीमत कम होती व उत्तम ...वत्ता भी होती है तो व्यक्ति अज्ञानता के ...ारण इसे नहीं खरीदते है। इनकी मूल्य ...द्धि होने पर इनकी माँग भी बढ जाती है।

प्रश्न क्रमांक — 23

राष्ट्रीय आय लेखांकन अर्थव्यवस्था के जटिल वित्तीय संव्यवहारो की प्रकृति व कारण निर्धारित कर अन्तर्सम्बन्धो को निर्धारित करने की एक विधि है।

राष्ट्रीय आय लेखांकन का महत्व -

① आर्थिक ~~नि~~ प्रगति का सूचक :- राष्ट्रीय आय लेखांकन आर्थिक प्रगति का सूचक होता है। इसके द्वारा विभिन्न देश की आर्थिक प्रगति की जानकारि प्राप्त होती है।

② राष्ट्रीय आय का वितरण :- राष्ट्रीय आय लेखांकन से इस बात की जानकारी मिलती है कि विभिन्न वर्गो में राष्ट्रीय आय का वितरण किस प्रकार का है।

③ तुलनात्मक अध्ययन :- राष्ट्रीय आय लेखांकन तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होती है। इससे किसी विभिन्न देशो प्रगति की तुलना की जा सकती है।

④ श्रम संघों के लिए महत्व :- राष्ट्रीय आय लेखांकन से श्रम संघों को यह ज्ञात होता है कि वे जिस उद्योग में उसका अर्थव्यवस्था में कितना

योगदान रहे हैं तथा वह कितना उत्पादन कर रहे है। हैं।

③ आर्थिक विकार आर्थिक विकास की कसौटी :-

राष्ट्रीय
य लेखांकन आर्थिक विकास की कसौटी का
र्धारण करती है।

प्रश्न क्रमांक - 25

बजट एक ऐसा प्रपत्र हैं जिसमें सार्वजनिक आय व व्यय की प्रारम्भिक प्रस्तावित योजना होती हैं।

बजट के प्रकार

① तुलित बजट :- कुल आगम जब कुल कुल व्यय के
होता है तो उसे सन्तुलित बजट कहते हैं। इसमें आय व व्यय प्रतिकूलता नहीं होती हैं।

(2) आगम बजट :- जिस बजट में राजस्व एवं पूँजीगत आगमों की प्राप्तियों का विवरण होता है उसे आगम बजट कहते हैं।

(3) घाटे का बजट :- जिस बजट में आय व्यय से कम दर्शायी जाती है तो उस बजट को घाटे का बजट कहते हैं। इन व्ययों की पूर्ति सरकार सार्वजनिक ऋण लेकर या राजकोषीय धन में जनता से कमी करके करती है।

(4) आधिक्य का बजट :- जिस बजट में आय व्यय से अधिक होती है तो उसे आधिक्य ~~बजट~~ बजट कहते हैं। इस बजट के कारण सरकार कार्यों में कमी होती है।

(5) जेण्डर बजट :- महिलाओं के अधिकारों एवं सशक्तिकरण हेतु ~~बन रह~~ इस बजट का निर्माण किया जाता है। महिलाओं से सम्बन्धित होने कारण इसे जेण्डर बजट कहते हैं।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
Economics	1 4 0	Hindi	16 06 20

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षार्थी 3 2 5 4 1 4

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 731002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

28 16/06/20 Sharma

/ सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्त

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 26

42. 54, 57, 52, 49, 42, 56, 47

$$\text{समांतर माध्य } \bar{x} = \frac{\text{पदों का योग}}{\text{पदों की संख्या}}$$

$$= \frac{54+57+52+49+42+56+47}{7}$$

$$= \frac{357}{7} = 51$$

पदों की संख्या	पद	51 से विचलन $|d|$
1	54	3
2	57	6
3	52	1
4	49	2
5	42	9
6	56	5
7	47	4
		$\Sigma|d| = 30$

समांतर माध्य = 51

माध्य विचलन = $\frac{\Sigma|d\bar{x}|}{N}$

$\delta\bar{x}$

2

$= \frac{30}{7}$

$= 4.5$ Ans

माध्य विचलन 4.5 है।

प्रश्न क्रमांक – 24 (अथवा)

~~द्विक्षेत्रीय~~ मॉडल द्वारा आय का चक्रीय प्रवाह :-
त्रि-क्षेत्रीय द्विक्षेत्रीय

मॉडल में आय साधनों को उत्पादन की प्रक्रिया में भाग लेने पर प्राप्त होती है। तथा उत्पादन की प्रक्रिया में भाग लेने वाले ये साधन उसी वस्तु के ~~क्रय~~ क्रय पर अन्य वस्तुओं को क्रय करने पर ~~धन~~ आय व्यय करते हैं। जिससे ये उत्पादक के पास पुनः आय वस्तुओं की बिक्री पर आय प्राप्त हो जाती है। जिससे ये प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है। जिससे एक चक्र का निर्माण हो जाता है और आय प्रवाह चक्रीय होता है।